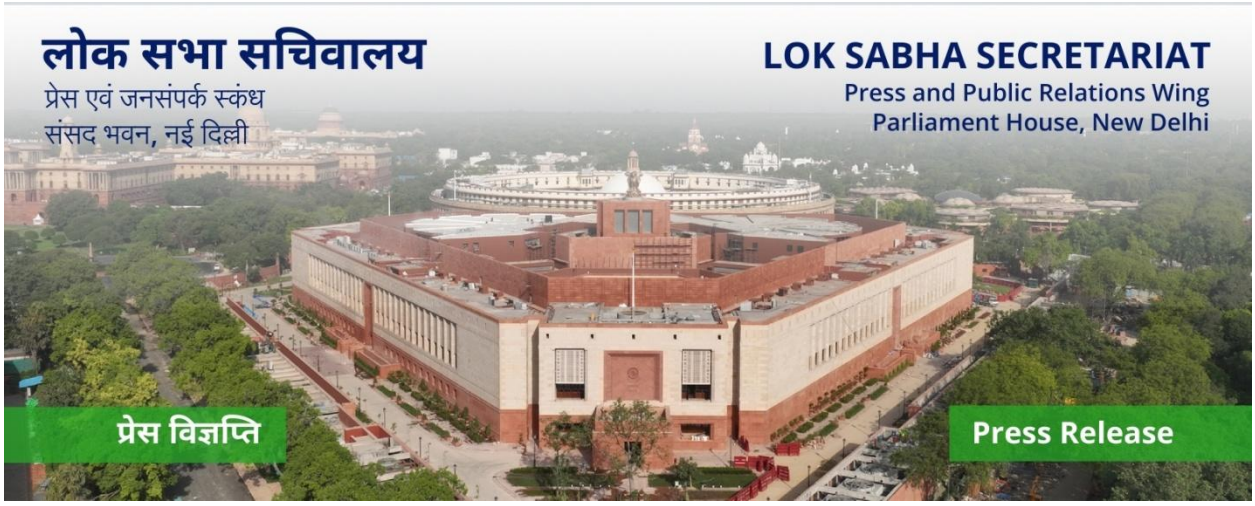

INDIA HAS IMMENSE POTENTIAL TO BECOME SELF-RELIANT IN OILSEED PRODUCTION: LOK SABHA SPEAKER SHRI OM BIRLA/ भारत में तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता की अपार क्षमता हैं: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला

…

INDUSTRY LEADERS MUST COLLABORATE WITH FARMERS AND SCIENTISTS TO STRENGTHEN OILSEEDS SECTOR IN INDIA: LOK SABHA SPEAKER/भारत में तिलहन क्षेत्र को मजबूत करने के लिए उद्योग जगत को किसानों और वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम करना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

…

START-UP CULTURE AND VOCAL FOR LOCAL INITIATIVES CAN DRIVE INNOVATION IN OILSEEDS INDUSTRY: LOK SABHA SPEAKER/स्टार्ट-अप और वोकल फॉर लोकल की पहल से तिलहन उद्योग में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सकता है: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES 45th RABI ALL INDIA OILSEEDS SEMINAR IN AGRA/लोक सभा अध्यक्ष ने आगरा में 45वें रबी ऑल इंडिया तिलहन सेमिनार को संबोधित किया

…

Agra/New Delhi; 23 March, 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla today called upon all stakeholders—farmers, entrepreneurs, scientists, and industry leaders—to unite with determination and play a pivotal role in making India self-reliant and a global leader in oilseed production.

Noting that India’s demand for edible oil far exceeds its domestic supply, Shri Birla called upon industry leaders and oil millers to innovate and find solutions to reduce import dependency, aligning with Prime Minister Shri Narendra Modi’s vision of Atma Nirbhar Bharat.

He asserted that India is undergoing transformation, and it is imperative that our farmers become key drivers of this change, empowered with fair prices for their produce.

https://x.com/ombirlakota/status/1903729208893010149

Shri Birla was addressing the 45th Rabi All India Oilseeds Seminar, organized by the UP Oil Millers Association in Agra today.

He stressed that our farmers and the oil processing industry must work hand-in-hand and emphasized that high-quality oilseed production backed by advanced research and innovation is essential. Shri Birla urged agricultural scientists and the Oil Millers Association to collaborate proactively for excellence and self-reliance. The Speaker also urged scientists to focus on developing climate-resilient, high-yield seed varieties, contributing to sustained growth in oilseed production. He emphasized the importance of research collaborations with renowned universities and institutions, and the need to educate the public on the health benefits of Indian oils, supported by scientific studies. Underlining that Central India’s soil and climate are highly conducive to oilseed cultivation, often requiring minimal irrigation, he noted that government initiatives have improved irrigation infrastructure and enhanced agriculture production potential.

Highlighting the nutritional value of Indian oilseed crops, Shri Birla emphasized the need to promote these indigenous oils to boost both economic and nutritional security. He reaffirmed the importance of the philosophy to embrace indigenous oils reminding that what grows naturally in our soil and climate is most beneficial to health. He also linked the oilseeds sector’s growth with the 'Vocal for Local' vision, encouraging farmers to adopt modern technologies, receive proper training, and utilize government schemes for better yields and higher incomes. Shri Birla called for entrepreneurial participation in organic farming, processing, packaging, and distribution of oilseed products, highlighting the immense opportunities Start-Up culture has brought to even smaller regions.

He expressed confidence that the deliberations at the 45th Rabi All India Oilseeds Seminar would chart a new direction for India’s oilseeds industry and help achieve the goal of self-reliance.

Shri S. P. Singh Baghel, Minister of State in the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and dairying and Panchayti Raj and other dignitaries were present on this occasion.

आगरा/नई दिल्ली; 23 मार्च, 2025: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज सभी हितधारकों-किसानों, उद्यमियों, वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के प्रमुखों-से दृढ़ संकल्प के साथ एकजुट होकर भारत को तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और इस क्षेत्र में नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत में खाद्य तेल की मांग इसकी घरेलू आपूर्ति से कहीं अधिक है, श्री बिरला ने उद्योग जगत के प्रमुखों और तेल मिल मालिकों से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप आयात निर्भरता को कम करने के समाधान खोजने और इनोवशन करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारत परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, और यह आवश्यक है कि हमारे किसान इस परिवर्तन के प्रमुख वाहक बनें और उन्हें अपनी उपज के लिए उचित मूल्य मिले।

https://x.com/ombirlakota/status/1903729208893010149

श्री बिरला आज आगरा में यूपी ऑयल मिलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 45वें रबी ऑल इंडिया तिलहन सेमिनार को संबोधित कर रहे थे।

श्री बिरला ने कहा कि हमारे किसानों और तेल प्रसंस्करण उद्योग को मिलकर काम करना चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि अनुसंधान तथा नई और बेहतर तकनीकों के साथ उच्च गुणवत्ता वाले तिलहन का उत्पादन किया जाना चाहिए। श्री बिरला ने कृषि वैज्ञानिकों और ऑयल मिलर्स एसोसिएशन से उत्कृष्टता और आत्मनिर्भरता के लिए सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया। अध्यक्ष महोदय ने वैज्ञानिकों से जलवायु के अनुकूल, अधिक उपज वाले उन्नत किस्मों के बीज विकसित करने का आग्रह भी किया, जिससे तिलहन उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो। उन्होंने प्रमुख विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ शोध कार्य में सहयोग के महत्व तथा भारतीय तेलों के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जनता को जागरूक बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस बात का उल्लेख करते हुए कि मध्य भारत की मिट्टी और जलवायु तिलहन की खेती के लिए अत्यधिक अनुकूल हैं जहां अक्सर न्यूनतम सिंचाई की आवश्यकता होती है, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा की गई पहलों से सिंचाई के बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है और कृषि उत्पादन क्षमता बढ़ी है।

पोषाहार में भारतीय तिलहन फसलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, श्री बिरला ने आर्थिक सुरक्षा के साथ ही पोषण सुरक्षा में वृद्धि के लिए स्वदेशी तेलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्वदेशी तेलों को अपनाने के महत्व की पुष्टि करते हुए याद दिलाया कि हमारे आस-पास की मिट्टी और जलवायु में जो प्राकृतिक रूप से उगता है, वही हमारे स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक लाभकारी है। उन्होंने तिलहन क्षेत्र के विकास को 'वोकल फॉर लोकल' विजन से जोड़ते हुए किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाने, उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने और बेहतर पैदावार तथा अधिक आय के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री बिरला ने छोटे क्षेत्रों में स्टार्ट-अप की मदद से उपलब्ध अपार अवसरों पर प्रकाश डालते हुए जैविक खेती तथा तिलहन उत्पादों के प्रसंस्करण, पैकेजिंग और वितरण में उद्यमियों की भागीदारी का आह्वान किया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 45वें रबी ऑल इंडिया तिलहन सेमिनार में होने वाले विचार-विमर्श से भारत के तिलहन उद्योग को एक नई दिशा मिलेगी और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा पंचायती राज मंत्रालय में राज्य मंत्री, श्री एस.पी. सिंह बघेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।